आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

बर्ष :13 अंक :318 पृष्ठ -4 दिनांक 21 नबम्बर 2024 दिन गुरूवार

नई दिल्ली में भव्य महाकुंभ कॉन्क्लेव का आयोजन करेगी योगी सरकार

योगी आदित्यनाथ सरकार ने 2025 के महाकुंभ को सफल बनाने के लिए बड़े स्तर पर जारी तैयारियों को गति देने का काम शुरू कर दिया

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने 2025 के महाकुंभ को सफल बनाने के लिए बड़े स्तर पर जारी तैयारियों को गति देने का काम शुरू कर दिया है. महाकुंभ–2025 का आयोजन न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि राज्य की पर्यटन स्तर पर पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का भी एक प्रमुख प्रयास है. इसी बात को ध्यान में रखकर महाकुंभ की सांस्कृतिक विरासत की झलक दिखाने तथा देश–दुनिया के गणमान्य व अति विशिष्ट लोगों को आमंत्रित करने के लिए नई दिल्ली में महाकुंभ कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगा. इस विषय में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं तथा दिल्ली के एक पांच सितारा होटल में भव्य स्तर पर इस एक दिनी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. यह कार्यक्रम कई मायनों में विशेष होगा क्योंकि यहां आने वाले लोगो को महाकुंभ में योगी सरकार द्वारा दी जा रही टूरिज्म ऑफरिंग्स, तैयारियां व उपलब्धियों के साथ ही उत्तर प्रदेश की लोककला व सांस्कृतिक छटा का भी आनंद उठा सकेंगे. महाकुंभ में करोड़ों श्रद्धालु लेते हैं भाग महाकुंभ दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन है, जिसमें पूरी दुनिया से करोड़ों श्रद्धालु भाग लेते हैं. उत्तर प्रदेश सरकार ने इस आयोजन के लिए विशेष रूप से ष्महाकुंभ कॉन्क्लेवष् की योजना बनाई है, जो एक अनूठा इंटरैक्टिव सत्र होगा. इसके जरिए, भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और आधुनिक तकनीकों के माध्यम से आगंतुकों को अविस्मरणीय अनुभव प्रदान किया जाएगा. समुद्र मंथन से प्राप्त 14 रत्नों के श्रीडी मॉडल की होगी नुमाइश महाकुंभ कॉन्क्लेव उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि और प्रशासनिक कुशलता का उदाहरण पेश करेगा. इस आयोजन का उद्देश्य न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना है, बल्कि वैश्विक स्तर पर

राज्य की ब्रांडिंग का भी माध्यम बनेगा. कार्यक्रम में समुद्र मंथन से प्राप्त 14 रत्नों के श्रीडी मॉडल की नुमाइश होगी और सांस्कृतिक संध्या में उत्तर प्रदेश के लोक संगीत और नृत्य की प्रस्तुति भी होगी, जो महाकुंभ की आध्यात्मिकता का अहसास कराएगा.दुनियाभर से आए 700 अतिविशिष्ट अतिथियों का लगेगा जमावड़ा इसके साथ ही प्रत्येक अतिथि को यूपी की सांस्कृतिक धरोहर के प्रतीक के रूप में स्मृति चिह्न प्रदान किए जाएंगे. आयोजन में दुनियाभर से आए 700 अति. विशिष्ट अतिथियों का जमावड़ा लगेगा. अतिथियों के सम्मान में हाई टी व डिनर का भी आयोजन किया जाएगा. वहीं बड़ी एलईडी स्क्रीन पर कुंभ मेला की कहानी, नागा साधुओं व विभिन्न अखाड़ों के संन्यासियों के जीवन और अन्य धार्मिक पहलुओं को दर्शाने वाले एनी. मेशन होगा. त्रिवेणी संगम, अक्षयवट और समुद्र मंथन के दृश्यों को श्रीडी मॉडल्स के माध्यम से दर्शाया जाएगा. एआई चौटबॉट और मल्टी–लैंग्वेज ट्रांसलेटर डिवाइस का भी प्रदर्शन किया जाएगा जो अंत. र्राष्ट्रीय आगंतुकों को एक अच्छा अनुभव प्रदान करेगा. यात्रा और आवास सुविधाओं का डिजिटल प्रस्तुतीकरण किया जाएगा. बाकायदा टेंट सिटी व होटल रूम के एक सेटअप को स्थापित किया जाएगा जिससे रहने के दौरान मिलने वाली सुविधाओं को प्रत्यक्ष तौर पर लोग देख सकेंगे. कार्यक्रम के अंतर्गत 10 मिनट के वर्चुअल वॉक–सेशन का आयोजन भी किया जाएगा जिसके जरिए लोगो को मेला क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों की जानकारी भी मिल सकेगी.

कासगंज एटा क्षेत्र के फर्जी पत्रकार खुलेआम कर रहे ठगई

कासगंज। फर्जी पत्रकारों की बाढ आ गई घटनास्थल पर असली की बजाय फर्जी पत्रकार पहले पहुंच जाते हैं और ठगी बगी शुरू कर देते है। वीडियो बनाकर उसे व्यक्तिगत नंबर पर डालकर उससे सौदेबाजी कर देते है और धमकी देते है कि वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल कर देगे। नतीजतन आदमी जबरदस्ती के पंगा में पडने की बजाय मामले को रफादफा करने में ही अपनी भलमनसाहत समझते हैं । यूट्यूबर और न्यूज पोर्टल के फर्जी पत्रकारों को अधिकारियों के निजी कार्यालय में प्रवेश करने पर रोक लगा देनी चाहिए। बीते दिनों अमृतसर क्षेत्र में फर्जी पत्रकार को अधिकारियों ने पुलिस के हवाले कर दिया था। तहसील क्षेत्र के अलावा जिला स्तर और प्रदेश स्तर पर यू ट्यूबर और न्यूज पोर्टल वाले अपने आपको पत्रकार बता कर प्रधान, सचिव, आंगनबाडी, सरकारी स्कूल, सरकारी अस्पताल , बनबिभाग , लकड़ी ठेकेदारों एवं सरकारी कार्यालयों आदि सरकारी कार्यालयों को अपना निशाना बनाते है। हालांकि कुछ लोग इस बात से भी अनभिज्ञ है कि यू ट्यूबर और न्यूज पोर्टल वाले आम आदमी है ये पत्रकार की श्रेणी में नहीं आते है। ये अपने आपको न तो पत्रकार बता सकते है और न ही पत्रकार लिख सकते है। उत्तर प्रदेश शासन और केन्द्र सरकार से इनको कोई भी पास जारी नहीं होता है। चुनाव में केवल रजिस्टर्ड चौनल एवं भारत समाचार पत्रों के पंजीयक कार्यालय नई दिल्ली में पंजीकृत अखबार वालों को प्रेस पास जारी किया जाता है। युट्यूबर व न्यूजपोर्टल वाले पत्रकारों पर कलक्ट्रेट परिसर में प्रवेश करने पर रोक लगानी चाहिए । तहसील, ब्लॉक और गांव क्षेत्र में सोशल मीडिया के पत्रकार अवैध धन उगाही भी कर रहे है। जिसकी वजह से सारा का सारा पत्रकार समाज बदनाम होता है। जिले मे इस समय यूटूबरो का आतंक यह लोग पत्रकारिता को बदनाम करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे है क्यों कि क्षेत्र मे जाकर यह लोग गरीव जनता एवं छोटे व्यापार करने बाले लोगो को अपना शिकार बनाते है और इतना ही नहीं यह अपने आपको पत्रकार बता कर लोगो पर दबाब बनाते है और पत्रकारिता को जमकर बदनाम करते है और कुछ अधिकारियों की चाटुकारिता करते है और इससे खुश होकर अधिकारी भी इनके कार्य मे सहयोग कर देते है जिससे इनके हौसले बुलंद हो जाते हैं जिससे यह क्षेत्र में अपना कहर बरसाने की कोशिश करते है। ऐसी स्थिति में ऐसे लोग दिखाई दें तो नजदीकी पुलिस स्टेशन में सूचित करें । प्रसाशन भी ऐसे लोगो पर चिन्हित कर तत्काल कार्यबाही करे।चाटुकारिता करते ते है ओर इससे खुश होकर अधिकारी भी इनके कार्य मे सहयोग कर देते है जिससे इनके हौसले बुलंद हो जाते जिससे यह क्षेत्र में अपना कहर बरसाने की कोसिस करते है। प्रसासन ऐसे लोगो पर चिन्हित कर तत्काल कार्यबाही करे।

कार्यक्रम के दौरान भाई की पिस्टल से चली गोली, बहन की मौत मातम में बदली खुशियां

उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में एक कार्यक्रम के दौरान हर्ष फायरिंग में एक महिला की गोली लगने से मौत हो गई। मामले में उसके पति ने मुकदमा दर्ज कराया है।पुलिस घटना की छानबीन में जुटी है।वाराणसी के देवनाथपुरा इलाके में मंगलवार की रात एक परिवार में खतना के कार्यक्रम के दौरान भाई की पिस्टल से चली गोली से बहन की मौत हो गई।परिजनों ने घटना को पुलिस से छिपाने की कोशिश की।हालांकि, दशाश्वमेधथाने की पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए जैतपुरा थाने की पुलिस की मदद से महिला का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।पति की तहरीर की आधार पर दशाश्वमेध थाने की पुलिस महिला के भाई के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है।पुलिस के अनुसार, जैतपुरा थाना क्षेत्र के कच्चीबाग निवासी बुनकर मोहम्मद अली की पत्नी निशी इलाही(28) के भाई आमिर इलाही के छह वर्षीय बेटे लड्डू के खतना का कार्यक्रम मंगलवार की रात देवनाथपुरा में था। कार्यक्रम था।

मतदान के दिन अपने पैतृक गांव पहुंचे सांसद अनूप वाल्मीकि

अलीगढ़ (जननायक सम्राट) जिले की खैर विधानसभा में इस समय उपचुनाव की हलचल काफी तेज है. यह सीट हाल ही में खाली हुई थी क्योंकि 2017 और 2022 में इस क्षेत्र से विधायक और उत्तर प्रदेश सरकार में राजस्व मंत्री रहे अनूप वाल्मीकि ने 2024 में हाथरस लो. कसभा सीट से सांसद का चुनाव जीत लिया.उनके सांसद बनने के बाद यह विधानसभा सीट खाली हुई, जिसके चलते अब उपचुनाव हो रहा है. इस कहानी की शुरुआत खैर विधानसभा के कंपोजिट स्कूल, शाहपुर रकराना गांव से होती है, जहां बूथ संख्या 358 पर मतदान हो रहा है. उपचुनाव के इस खास मौके पर अनूप वाल्मीकि खुद मतदान करने अपने पैतृक गांव पहुंचे. अपने गांव में कदम रखते ही उनका स्वागत बेहद आत्मीयता और गर्मजोशी से किया गया. स्कूल परिसर में मौजूद मतदाताओं और समर्थकों से मिलते हुए उन्होंने मतदान के महत्व पर बल दिया और सभी से अपील की कि वे अपने मताधिकार का भरपूर उपयोग करें.सांसद का संदेश अनूप वाल्मीकि ने अपने संबोधन में कहा कि मैं यहां की जनता का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं. आपने मुझे दो बार रिकॉर्ड तोड़ मतों से जीत दिलाई और आज सांसद बनाकर यहां का प्रतिनिधित्व करने का अवसर दिया. आपका यह स्नेह और विश्वास मेरे लिए प्रेरणा है.ष उन्होंने आगे कहा कि मतदान बहुत अमूल्य है, और इसे समझते हुए हर व्यक्ति को इसमें भाग लेना चाहिए. जितना ज्यादा मतदान होगा, लोकतंत्र उतना ही मजबूत होगा. खैर विधानसभा की राजनीतिक यात्रा खैर विधानसभा अलीगढ़ जिले की एक महत्वपूर्ण सीट है. यहां से अनूप वाल्मीकि ने 2017 और 2022 में भारी बहुमत से जीत दर्ज की थी. उनके राजस्व मंत्री रहते हुए क्षेत्र में कई विकास कार्य हुए, जिससे जनता में उनके प्रति विश्वास और मजबूत हुआ. 2024 में उन्होंने हाथरस लोकसभा से सांसद का चुनाव लड़ा और जीत हासिल की, जिससे खैर विधानसभा की सीट खाली हो गई.उपचुनाव का महत्व इस उपचुनाव में कई बड़े मुद्दे हैं, जिनमें क्षेत्र का विकास, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं प्रमुख हैं. अनूप वाल्मीकि ने अपने भाषण में यह भरोसा दिलाया कि उनके द्वारा शुरू किए गए कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा और खैर विधानसभा को और प्रगति की दिशा में ले जाया जाएगा.मतदान केंद्र पर मौजूद लोगों से चर्चा करते हुए यह भी सामने आया कि यहां की जनता अब ज्यादा जागरूक हो चुकी है. उन्हें अपने मत की ताकत का एहसास है, और वे इस उपचुनाव को एक जिम्मेदारी के रूप में देख रहे हैं.

अखिलेश के गढ़ में भाजपा ये दांव कर गया काम, अनुजेश ने वो कर दिखाया...जिसकी किसी को न थी उम्मीद।

मैनपुरी के करहल में भाजपा ने जिस रणनीति के तहत अनुजेश यादव को चुनाव मैदान में उतारा, उसका असर देखने को मिला। करहल क्षेत्र के जिन बूथों पर भाजपा के एजेंट भी नजर नहीं आते थे, वहां इस चुनाव में बस्ते लगे नजर आए।नपुरी के करहल विधानसभा क्षेत्र में सपा प्रत्याशी के सामने सजातीय और सैफई परिवार के रिश्तेदार को मैदान में उतारकर भाजपा ने बड़ा दांव खेल दिया। सपा का गढ़।।ब कहे जाने वाले कई क्षेत्र जहां वर्षों से भाजपा का एजेंट तो दूर बस्ता तक नहीं लग रहा था, वहां भी भाजपा प्रत्याशी अनुजेश ने बस्ता लगवाने के साथ ही एजेंट भी खड़े कर दिए। इसका असर चुनाव परिणाम पर नजर आ सकता है। पहली बार लगा ।यहां भाजपा का बस्ता घिरोर और करहल ब्लॉक के कई गांव ऐसे थे जिन्हें सपा का गढ़ माना जाता है। इन गांव में आज तक कभी भाजपा का बस्ता नहीं लग सका था। लेकिन बुधवार को हुए विधानसभा के उपचुनाव में यहां भाजपा का बस्ता लगा नजर आया। यही नहीं जिन बूथों पर भाजपा के एजेंट भी न।।जर नहीं आते थे उन बूथों पर भा. जपा के एजेंट भी मुस्तैदी से खड़े नजर आए। रठेरा, नगला, उदी, भागपुर जैसे गांव में भाजपा प्रत्याशी का बस्ता लगा और एजेंट भी बने।चुनाव परिणाण पर दिखेगा असर जानकारों की मानें तो भा. जपा द्वारा इस चुनाव में सपा के सामने सजातीय और रिश्तेदार प्रत्याशी उतारने के कारण ही ऐसा संभव हुआ। यदि भा. जपा की यह चाल सफल रहती है तो माना जा रहा है कि भाजपा का यह प्रयास भाजपा प्रत्याशी को मजबूती प्रदान करेगा और चुनाव के परिणाम को भी प्रभावित करेगा। हालांकि स्थिति मतगणना के बाद ही साफ होगी कि भा. जपा का यह नया दांव कितना सफल रहा।

ककरौली में बवाल, मतदाताओं को मतदान करने से रोकने का आरोप, हंगामा, पुलिस पर पथराव

मीरापुर विधानसभा सीट पर आज उपचुनाव के लिए मतदान हो रहा है। सुबह नौ बजे तक विधानसभा क्षेत्र में कुल 13 प्रतिशत मतदान हुआ है। यहां ककरौली में पुलिस पर मतदान करने से रोकने का आरोप लगाते हुए मतदाताओं ने हंगामा कर दिया। पुलिस पर पथराव भी किया।मीरापुर विधानसभा सीट पर आज उपचुनाव के लिए मतदान हो रहा है। पुलिस–प्रशासन ने विधानसभा को छह जोन और 33 सेक्टर में बांटा है। मतदान सुबह सात बजे से शुरू होकर शाम पांच बजे तक चलेगा। तीन लाख 24 हजार 571 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। सुबह नौ बजे तक विधानसभा क्षेत्र में 13 प्रतिशत मतदान हो चुका है।कई जगह हंगामा मतदान के दौरान कई केंद्रों पर हंगामा हुआ तो किथौड़ा में सपा ने पुलिस पर मतदाताओं को मतदान करने से रोकने का आरोप लगाया। ककरौली में ग्रामीणों ने मतदान करने से रोकने का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। इस दौरान पुलिस व ग्रामीणों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर हंगामा कर रहे लोगों को खदेड़ा।बता दें कि ककरौली में मुस्लिम मतदाताओं की संख्या ज्यादा है। वहीं सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भी चुनाव प्रचार के दौरान ककरौली को ही जनसभा के लिए चुना तो वहीं एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी भी यहां मतदाताओं की नब्ज भांपने पहुंचे और इसी क्षेत्र में जोर दिया।ककरौली में मुस्लिम मतदाताओं ने पुलिस पर वोट डालने जाने से रोकने का आरोप लगाया। विरोध में जाम लगाने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस पर पथराव भी किया गया।क. करौली में तैनात पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची और हल्का बल प्रयोग कर हंगामा कर रोड जाम कर रहे लोगों को खदेड़ा। बताया गया कि इस दौरान पथराव भी किया गया। हालांकि पुलिस फोर्स ने स्थिति संभाली। फिलहाल यहां मतदान सुचारू रूप से चल रहा है।ककरौली में सुबह सात बजे मतदान केंद्र पर मतदान जैसे ही शुरू हुआ। ग्रामीणों ने पुलिस पर मारपीट का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें यह कहा गया कि उनका वोट पहले ही डल चुका है। जब वह मतदान केंद्र पर पहुंचे तो उन्हें पुलिसकर्मियों ने वापस भेज दिया। इसके विरोध में ग्रामीण मुख्य मार्ग पर उतर आए और पुलिस का विरोध किया। ग्रामीणों ने रोड जाम का एलान भी किया। इस दौरान ग्रामीणों ने पथराव भी किया।

कार्यक्रम के दौरान आमिर इलाही ने अपनी पिस्टल से हवाई फायरिंग का प्रयास किया। मगर, गोली नहीं चली। इस पर वह पिस्टल नीचे कर उसके चेंबर में फंसी गोली निकालने का प्रयास कर रहा था।उसी दौरान गोली चल गई और सामने बैठी उसकी बहन निशी इलाही के बाएं कंधे और सीने के बीच में जा लगी। गोली लगते ही निशी इलाही की घटनास्थल पर ही मौत गई। मामला भाई–बहन का होने के कारण परिजन शव लेकर चुपचाप कच्चीबाग चले गए। घटना की सूचना पाकर पुलिस सक्रिय हुई और शव कब्जे में ली।
क्या बोले अधिकारी उधर, इस संबंध में एसीपी दशाश्वमेध प्रज्ञा पाठक ने बताया कि आमिर इलाही के बेटे लड्डू का खतना का

आमिर ने पिस्टल हाथ में लेकर ऊपर की ओर फायरिंग की तो गोली नहीं चली। पिस्टल के चेंबर में फंसी गोली निकालने के दौरान फायरिंग हुई और उसकी बहन की मौत हो गई। पिस्टल लाइसेंसी थी या नहीं थी, इसका पता लगाया जा रहा है। आरोपी की तलाश में पुलिस की दो टीम लगाई गई है।

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की दिनचर्चा और अन्य बातों से वकील रजनी ने पर्दा उठाया

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई बॉलीवुड एक्टर सलमान खान को मारने की धमकी देने के बाद चर्चाओं में आया. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लॉरेंस गैंग के करीब 700 गुर्गे हैं, जो देशभर में फैले हैं. लॉरेंस बिश्नोई कैसे जुर्म की दुनिया का बादशाह बनता चला गया ये कोई नहीं जानता है. लेकिन, लॉरेंस बिश्नोई से जुड़ी कुछ खास बातों से उनकी वकील रजनी ने पर्दा उठाया है.आज तक रेडियो पर एक इंटरव्यू के दौरान वकील रजनी ने कहा कि जब लॉरेंस बिश्नोई को तिहाड़ जेल में रखा गया था, तब हफ्ते में एक मुलाकात जरूर होती थी. लॉरेंस बिश्नोई चाहता है कि सलमान खान बिश्नोई समाज के प्रसिद्ध मुक्ति धाम मुकाम मंदिर में जाकर पश्च. ाताप करें. लॉरेंस रोजाना सुबह 108 बार सूर्य नमस्कार करता है, उसी से उसके दिन की शुरूआत होती है पूजापाठ, सुंद. रकांड का पाठ भी लॉरेंस रोजाना करता

है.'सुसाइड नहीं हत्या की गई'वहीं सलमान खान के घर फायरिंग के आरा. `पी अनुज थापन की मौत को लेकर वकील ने बड़ा दावा किया. उन्होंने कहा कि कहा जा रहा है कि जो दरी उसे सोने के लिए दी गई, उससे फंदा बनाकर उसने आत्महत्या की. लेकिन, उसने सुसाइड नहीं किया बल्कि उसकी हत्या की गई है.लॉरेंस के व्यवहार पर क्या बोली वकील? वकील रजनी से पूछा गया कि क्या विक्की मिड्डूखेड़ा की मौत का बदला लेने के लिए पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या की गई थी. इसपर उन्होंने कहा कि विक्की मिड्डूखेड़ा कॉलेज में लॉरेंस का सीनियर था, विक्की मिड्डूखेड़ा ने 2011 में लॉरेंस को सोपू का अगला प्रेसिडेंट डिक्लेयर किया था.लॉरेंस बिश्नोई के व्यवहार को लेकर वकील ने बताया कि आप अगर उससे ऊंची आवाज में बात करेंगे तो वो आगे से आपके ऊपर चिल्लाएगा नहीं, वो आपकी बात सुनेगा. जब लॉरेंस बिश्नोई ने मुझे सारी बातें बताई, तो मैं भी प्रभावित हुई. वकील रजनी ने कहा कि लड़कियां भी लॉरेंस बिश्नोई की फैन हैं. दो लड़कियों ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई का फैन बताया. वे लॉरेंस बिश्नोई से मिलने कोर्ट भी पहुंची थीं. उन्होंने मुझसे लॉरेंस बिश्नोई से मिलवाने के लिए मिन्. नतें भी की.

कोरोना से भी खतरनाक बना प्रदूषण, पाकिस्तान में डेथ लेवल की सता रही टेंशन

पाकिस्तान और अफगानिस्तान से दिल्ली की ओर आ रहे प्रदूषण के कारण लाहौर में वायु गुणवत्ता सूचकांक (।फए) 2000 के पार पहुंच गया है. यह बहुत ही खतरनाक स्थिति है. लाहौर में हवा की गुणवत्ता इतनी खराब हो गई है कि लोगों के लिए सांस लेना मुश्किल हो रहा है, और स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है.यह प्रदूषण खासकर धान की पराली जलाने, ईंट के भट्टों और कृषि कार्यों से आ रहा है. यह प्रदूषण पाकिस्. तान और अफगानिस्तान से दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में फैल रहा है. लाहौर का ।फए 2000 के पार होने का मतलब है कि वहां की हवा सांस लेने के लिए बहुत ही खराब हो गई है.लाहौर में प्रदूषण का कहर इस हालात में स्थानीय प्रशासन और पर्यावरण संगठन लोगों को घरों में रहने की सलाह दे रहे हैं और मास्क पहनने की भी सलाह दी जा रही है. इस प्रदूषण को कम करने के लिए लंबे समय में ठोस कदम उठाने की जरूरत है.नासा ने जारी की तस्वीर हाल ही में नासा द्वारा जारी की गई एक सैटेलाइट इमेज में भारत और पाकिस्तान के बड़े हिस्से पर धुंध की चादर दिखाई दी है. यह धुंध प्रदूषण के कारण उत्पन्न हुई है, जो हर साल सर्दियों में दोनों देशों के सिंधु–गंगा मैदानों में खतरनाक स्तर पर पहुंच जाता है. उत्तर और मध्य भारत में दिवाली के बाद पराली जलाने का सिलसिला शुरू हो जाता है, जो वायु प्रदूषण में तेजी लाता है.

आखिर कैसे बढ़ रहा प्रदूषण का स्तर?

इस प्रदूषण का मुख्य कारण कृषि क्षेत्र में पराली जलाना है, जिससे बहुत बड़ी मात्रा में धुआं वातावरण में फैलता है. इसके साथ ही, तापमान में गिरावट और हवा की धीमी गति भी प्रदूषण के स्तर को बढ़ाने में मदद करती है. इस समय वायु गुणवत्ता सूचकांक खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है, जो खासकर बच्चों, बुजुर्गों और श्वसन समस्याओं वाले लोगों के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है,

वैज्ञानिकों की रिपोर्ट

नेशनल फिजिकल लेबोरेटरी के वै.

भारत और पाकिस्तान के कई हिस्सों में फैला प्रदूषण

नासा की सैटेलाइट इमेज यह बताती है कि यह प्रदूषण भारत और पाकिस्तान के व्यापक क्षेत्रों में फैल चुका है, जो इस समस्या की गंभीरता को और स्पष्ट करता है. इसके समाधान के लिए सरक. ारी प्रयासों के साथ–साथ किसानों को प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए वैक. ल्पिक उपायों की ओर प्रोत्साहित करना बहुत जरूरी है.

दिल्ली में प्रदूषण के लिए कौन जिम्मेदार?

पिछले 20 सालों से सर्दियों में पेशावर से ढाका तक लगभग 3 किलोमीटर मोटी धुंध की परत देखी गई है, जो और घनी हो जाती है. हिमालय इस धुंध को फैलने से रोकता है लेकिन इसके बावजूद यह दिल्ली में बढ़ जाती है.दिल्ली एक लैंड लॉक इलाका है, यानी यहां चारों ओर समुद्र नहीं है. जमीन ही जमीन है, इसलिए यहां प्रदूषण गंभीर हो जाता है.

पाकिस्तान में फिर लगेगा लॉकडाउन

बता दें कि पाकिस्तान की सूचना और पर्यावरण संरक्षण मंत्री मरियम औरंगजेब ने कहा है कि लाहौर में प्रेस कान्फ्रेंस को संबोधित करते हुए हालात की गंभीरता पर जोर देते हुए प्रदूषण की तुलना महामारी कोरोना से की है.साथ ही अब खबर आ रही है कि यहां जल्द से जल्द लॉकडाउन भी लगाया जा सकता है

अखिलेश यादव की अपील, वोट डालने से रोका गया तो फिर से वोट डालने जाएं, बोले– हर तरफ गड़बड़ी

अखिलेश यादव ने प्रशासन पर मतदान करने से रोकने का आरोप लगाया है। इस पर उन्होंने अपील कर जनता से फिर से मतदान के लिए जाने की अपील की है।यूपी में आज उपचुनाव के लिए नौ सीटों पर मतदान हो रहा है। सपा नेता व उनके समर्थकों ने प्रशासन पर मतदान के लिए रोकने और धमकाने का आरोप लगाया है। इसे लेकर अखिलेश यादव अब से कुछ ही देर में मीडिया को संबोधित करेंगे।वहीं, इसके पहले एक्स पर बयान देते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में जिन मतदाताओं को पुलिस–प्रशासन द्वारा वोट डालने से रोका गया है, वो एक बार फिर से वोट डालने जाएं। इस चुनावी गड़बड़ी की सूचना हर तरफ फैल गई है। चुनाव आयोग भी सतर्क हो गया है और अब उसकी तरफ से ये आश्वासन मिल रहा है कि जिन लोगों को वोट डालने से रोका गया है, वो एक बार फिर से जाएं और अपना वोट जरूर डालें। अब कोई गड़बड़ी नहीं होने दी जाएगी। अगर फिर से कोई रोके तो आप वहां उपस्थिति चुनाव आयोग के अधिकारियों या राजनीतिक दलों के लोगों को सूचित करें या चुनाव आयोग से सीधी शिकायत करें। चुनाव आयोग से मिले इस आश्वासन के लिए धन्यवाद। प्रशासन व पुलिस के बेईमान अधिकारी बख्शे नहीं जाएंगे। उनके वीडियो साक्ष्य उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई का आधार बनेंगे। बेखौफ जाएं और अपना वोट जरूर डालकर आएं।

मेहंदी लगे हाथों से अपने आंसू पोंछती रह गई दुल्हन, बरात से पहले दूल्हे को लेकर आई ऐसी खबर...मचा कोहराम

आगरा न्यूज जुबां खामोश, दिल गुमसुम और ये आंख नम क्यों है, जो अपने ही न हो सके, उन्हें खोने का गम क्यों है' हाथों में मेहंदी लगाए बैठी मोहिनी की हालत को बयां करने के लिए ये पंक्तियां काफी हैं। जिस घर में बरात आने का इंतजार था, वहां दूल्हे की मौत का संदेश आया, तो कोहराम मच गया। सारी तैयारियां धरी की धरी रह गईं। टेढ़ी बगिया में सोमवार को बनी सिंह के जिस घर में हल्दी–मेहंदी की रस्में होने के बाद खुशियां बिखरी हुई थीं, वहां मंगलवार को सन्नाटा पसरा हुआ था। हाथों में मेहंदी को बार–बार देख रही मोहिनी सदमे में आ गई है। पिता ने कर्ज लेकर मोहिनी के हाथ पीले करने की उम्मीद भी धुंधली हो गई हैं। शादी की सजावट भी नहीं हटी है। घर में खाने–पीने का सामान ज्यों का त्यों रखा है।छह माह पहले हाथरस के गांव भो. जपुर निवासी शिवम से मोहिनी की शादी तय हुई थी। 18 नवंबर को कृष्णाबाग कॉलोनी स्थित मैरिज होम में बरात आनी थी। हाथरस में भात की रस्म के दौरान नाचने गाने के बाद शिवम की मौत की खबर दुल्हन के घरवालों को मिलीं तो मानो उन पर वज्रपात हो गया।मनपसंद की शादी तय होने पर मोहिनी ने बड़े सपने संजोए थे। एक दूसरे का हाथ कभी नहीं छोड़ेंगे। शिवम की मौत की खबर सुनते ही मोहिनी की तबीयत बिगड़ गई। अब वह खाना भी नहीं खा रही है। सदमा इतना गहरा है कि किसी से बात नहीं करती है। अपने हाथों में लगी मेहंदी को देखकर चीख उठती है कि मैं भी शिवम के पास जाऊंगी।बरात आने से ठीक एक दिन पहले दूल्हे की मौत से घर में सन्नाटा पसरा हुआ है। दुल्हन के साथ ही घरवालों पर भी दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। रिश्तेदार शादी में शामिल होने के लिए घर आए, वो परिवार के लोगों को धैर्य रखने के लिए कह रहे हैं। मोहिनी के पिता बनी सिंह जूता फैक्टरी में मजदूरी करते हैं। महज 12 हजार रुपये की तनख्वाह है। छह बेटियां और एक बेटा है। 3 बेटियों की शादी पहले कर चुके हैं। मोहिनी की शादी के लिए ओवरटाइम काम करके रुपये इकट्ठे किए थे। जमीन भी गिरवी रखकर इंतजाम किया। न जाने बेटी की खुशियों को किसकी नजर लग गई। दोनों परिवार में मातम छा गया।

सगाई में दिया सोने का हार.. शादी से पहले प्रेमी संग युवती हुई फरार

एक मैरिज हॉल में 17 जनवरी को युवती के साथ बेटे की सगाई हुई। इस दौरान चार दिसंबर शादी की तारीख तय हुई। पिता ने बेटे की होने वाली पत्नी को सगाई में 16 हजार नकद, सोने की नथिया व हार और मोबाइल फोन दिया था। अचानक 17 नवंबर से युवती का मोबाइल स्वीच ऑफ बताने लगा।बेटे की सगाई में युवती को नकद और सोने का हार देना महंगा पड़ गया। शादी के पहले ही युवती सारा सामान लेकर प्रेमी के साथ चली गई। अब पीड़ित के बेटे को प्रेमी कॉल कर जान से मारने की धमकी भी दे रहा है। पीड़ित पिता ने सहजनवां थाने में युवती व उसके परि. जनों के खिलाफ तहरीर दी है।भगौरा निवासी राजेश ने अपने बेटे शुभम की शादी खजनी थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती से तय की थी। खजनी स्थित एक

मैरिज हॉल में 17 जनवरी को युवती के साथ बेटे की सगाई हुई। इस दौरान चार दिसंबर शादी की तारीख तय हुई। पिता ने बेटे की होने वाली पत्नी को सगाई में 16 हजार नकद, सोने की नथिया व हार और मोबाइल फोन दिया था।अचानक 17 नवंबर से युवती का मोबाइल स्वीच ऑफ बताने लगा। राजेश ने जानकारी के लिए खजनी में संपर्क किया, तब पता चला कि युवती नकदी, गहने और मोबाइल लेकर प्रेमी संग चली गई है। इसके बाद थाने में तहरीर देने की तैयारी ही चल रही थी कि पीड़ित के बेटे के मोबाइल पर प्रेमी का कॉल आया। आरोप है कि उसने धमकी दी।

तीसरी आंख से होगी हर पल निगरानीरू जेल में 30 कुख्यात बंदी,जेल प्रशासन ने खुफिया विभाग को भेजी सूची

जेल में निरुद्ध 30 कुख्यात बंदियों को अलग–अलग बैरक में सीसीटीवी कैमरे के निगरानी में रखा गया है। साथ इनकी पल–पल की गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है। हाल ही में जेल में दो गुटों में वर्चस्व को लेकर आपस में तकरार हुई थी। इनके लिए जेल के नियम भी दूसरे बंदियों से अलग और सख्त होंगे।जेल प्रशासन ने 30 कुख्यात बंदियों की सूची तैयार कर खुफिया विभाग को सौंपी है। जेल में मारपीट और उपद्रव जैसी घटना को रोकने के लिए ऐसे बंदियों का नाम सूची में डाला गया है, जो जेल में कानून व्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं।अब इन 30 कुख्यात बंदियों को अलग–अलग बैरक में सीसीटीवी कैमरे के निगरानी में रखा गया है। साथ इनकी पल–पल की गति. विधियों पर भी नजर रखी जा रही है। हाल ही में जेल में दो गुटों में वर्चस्व को लेकर आपस में तकरार हुई थी।बड़ा झगड़ा होता, स्थिति भांप कर जेल प्रशासन ने दोनों गुटों के बंदियों को अलग–अलग जिले की जेल में शिफ्ट कर दिया। इसके बाद जेल प्रशासन आगे भी शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए 30 कुख्यात बंदियों की सूची बनाना शुरू किया।इसमें मारपीट, उपद्रव के बाद बाहर से आए बदमाश, बड़ी गैंग से संबंधित बदमाश, किसी भी जिले के टॉप 10 और माफिया सूची में शामिल बदमाशों को इसमें रखा गया है। सूची में गोरखपुर के अलावा मेरठ, बरेली, सहारनपुर, आजमगढ़, देवरिया, महरा. जगंज समेत अन्य जगहों के बंदियों के नाम शामिल किए गए हैं।अलग होंगे इनके लिए नियम रू जेल में बंद कुख्यात बदमाशों के लिए आम बंदियों से अलग नियम होंगे। इसके अनुसार सप्ताह में तीन दिन इनकी मुलाकात हा. `गी। मुलाकात के समय स्थानीय खुफिया इकाई (एलआईयू) भी मौजूद रहेगी। जेल में स्थित पीसीओ से कुख्यात बंदियों की बातचीत की रिकॉर्डिंग कराई जाएगी। सत्यापन के बाद ही इनकी बातचीत या मुलाकात कराई जाएगी।

सीट बेल्ट चालक को करेगी अलर्ट, लापरवाही से होने वाले हादसों पर लगेगी लगाम!

ज्ञानिकों ने ऐसा बायो सेंसर तैयार किया है, जो शोर और कंपन के बावजूद चलती कार और उड़ते प्लेन में शारीरिक संकेतों की सटीक पहचान कर सकता है। इससे चालक की थकान या तनाव का भी पता चलेगा और समय रहते अलर्ट भी मिल जाएगा।इसमें कोई संदेह नहीं कि एडवांस्ड बायो सेंसर आने से मनुष्य के शारीरिक संकेतों की निगरानी करना आसान हो गया है। हेल्थ बैंड और स्मार्ट वॉच इनकी मदद से ही काम करते हैं। लेकिन जब उपयोगकर्ता स्थिर अवस्था में अथवा कार या प्लेन के अंदर होता है तो ये सटीक माप नहीं दे पाते हैं। इसके समाधान के लिए सिंगापुर के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय और चीन के सिंघुआ विश्वविद्यालय के वै. ज्ञानिकों ने एक खास बायो सेंसर तैयार किया है, जो सभी अवस्थाओं में एक समान नतीजे देता है। यह उड़ते प्लेन से लेकर चलती कार के अंदर भी शरीर के संकेतों की सटीक माप लेने में सक्षम है। इससे चालक या पायलट के स्वास्थ्य की रियल टाइम निगरानी हो सकेगी, जो

कि मोबिलिटी (गतिशीलता) के चलते संभव नहीं हो पाती थी।वाहनों के शोर और कंपन में चलते वाहन या उड़ते प्लेन में शारीरिक संकेतों की सटीक माप देने में सामान्य बायो सेंसर के सामने कंपन और शोर की चुनौती होती है। इस वजह से सेंसर संकेतों को सही से नहीं पढ़ पाता है। लेकिन नया बायो सेंसर शरीर के संपर्क में आए बिना ही हृदय और श्वसन की गति को ट्रैक कर सकता है। इस कारण यह कंपन और शोर के बावजूद कारगर है। साथ ही उड़ते विमान के केबिन अथवा चलती कार में मनुष्य केकार्डियोपल्मोनरी संकेतों को भी पढ़ सकता है, जिससे यह यातायात सुरक्षा के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।शोध टीम के सदस्य शी तियान के अनुसार, यह ऑटोमोटिव बायो सेंसर गतिशील विमान या वाहन में कंपन और शोर के बावजूद सटीक परिणाम देता है। स्मार्ट वॉच या हेल्थ बैंड की तरह इसको शरीर के संपर्क में आने की जरूरत नहीं होती, बल्कि उनके बिना ही यह बायो सेंसर सटीक माप दे सकता है।

अमुवि के पूर्व रजिस्ट्रार के बेटे को पड़ा दिल का दौरा, हुई मौत

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व रजिस्ट्रार और आईपीएस अधिकारी एसएम अफजल के 28 वर्षीय बेटे सय्यद बरकात हैदर की हार्ट अटैक से मौत हो गई।एएमयू के पूर्व रजिस्ट्रार एसएम अफजल के बेटे की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई है। जिससे एएमयू इंतजामिया में शोक की लहर दौड़ गई।. अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व रजिस्ट्रार और आईपीएस अधिकारी एसएम अफजल के 28 वर्षीय बेटे सय्यद बरकात हैदर की हार्ट अटैक से मौत हो गई। दो वर्ष पहले पूर्व रजिस्ट्रार एसएम अफजल की भी लंबी बीमारी के बाद मौत हो गई थी। अनूपशहर रोड स्थित कबीर कालोनी, अलीगढ़ के रहने वाले सैयद मोहम्मद अफजल अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में सन 2000 से लेकर सन 2001 तक रजिस्ट्रार के पद पर रहे। उस समय हामिद अंसारी कुलपति के पद पर थे। मोहम्मद अफजल भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी थे और वर्तमान में मध्यप्रदेश में एडीजी थे।

अलीगढ़ में उपचुनाव के मद्देनजर रहेगा रूट डायवर्जन

अलीगढ़ के विधानसभा खैर में होने वाले उपचुनाव को लेकर प्रशासन अलर्ट है लेकिन सबसे अहम बात यह है जिस जाम के लिए प्रशासन ने रूट डायवर्ट किया है वह जाम प्रत्याशियों का चुनावी मुद्दा भी है. खैर विधानसभा में लंबे समय से अलीगढ़ जिले का सबसे ज्यादा मशहूर जाम लगता है. इस जाम के झाम में जनता परेशान हो जाती है, यही कारण है कि सभी प्रत्याशियों ने उपचुनाव में जाम को अपना सबसे अहम मुद्दा बताया और इससे निजात दिलाने का जनता से वादा किया.मौजूदा समय की अगर बात कही जाए तो इस जाम की समस्या से निजात मिल सके इसको लेकर सभी प्रत्याशियों ने जल्द से इस जाम से छुटकारा दिलाने के लिए तमाम तरह के वादे भी जनता से किए हैं लेकिन फिलहाल जाम से निजात दिलाने के लिए पुलिस और प्रशासन के द्वारा बड़ी योजना बनाई है. आपको बता दें ,20 नवंबर 2024 को अलीगढ़ के खैर विधानसभा में उपचुनाव को लेकर सुबह 7:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक मतदान होगा. प्रशासन ने बनाया रूट डायवर्जन प्लान इस दौरान पुलिस और प्रशासन ने यातायात को सुचारू रखने और नागरिकों को असुविधा से बचाने के लिए कई रूट डायवर्जन की योजना बनाई है. संबंधित अधिकारियों ने आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए हैं. ये डायवर्जन मुख्य रूप से भारी वाहनों के लिए लागू होंगे. जिससे आम जनता को खैर विधानसभा क्षेत्र में परेशानी का सामना न करना पड़े. खैर विधानसभा में अलीगढ़ जिले का सबसे मशहूर जाम लगता है. यह जाम विधानसभा खैर का चुनावी मुद्दा भी है जिसको लेकर डायवर्जन प्लान और निर्देश जारी किए गए है.

दिल्ली–बुलंदशहर रोड से खैर की ओर आने वाले वाहन, भारीध्वाणिज्यिक वाहन खैर की ओर प्रतिबंधित रहेंगे. वैकल्पिक मागर्रू ये वाहन गभाना, सोमना, या दौरऊ से होकर अपने गंतव्य पर जा सकेंगे. यमुना एक्सप्रेसवे–पलवल रोड से टप्पल की ओर आने वाले वाहन, सभी भारीध्वाणिज्यिक वाहन टप्पल की ओर प्रतिबंधित रहेंगे. ये टप्पल यमुना एक्सप्रे. सवे का उपयोग करें. मथुरा रोड से विचपुरी तिराहाध्बेसवा इगलास होते हुए खैर की ओर आने वाले वाहन, भारी वाणिज्यिक वाहन खैर की ओर प्रतिबंधित रहेंगे. ये विचपुरी तिराहा या बेसवा इगलास से डायवर्ट होकर गंतव्य पर जा सकते हैं.आगरा रोड से सासनी–हाथरस होते हुए मदराकध्खैर की ओर आने वाले भारीध्वाणिज्यिक वाहन इस मार्ग पर प्रतिबंधित रहेंगे. ये सासनी–हा. थरसध्मदराक से डायवर्ट होकर वाहन गंतव्य तक जा सकेंगे.मथुरा रोड से मोड़ कस्बा इगलास होते हुए खैर की ओर आने वाले भारीध्वाणिज्यिक वाहन इस मार्ग पर प्रतिबंधित रहेंगे.ये मोड़ कस्बा इगलास से डायवर्ट होकर गंतव्य तक जा सकते हैं.इगलास–गौंडा–खैर रोड पर ढाटौली चौराहा कस्बा गौंडा से खैर की ओर जाने वाले भारीध्वाणिज्यिक वाहन इस मार्ग पर प्रतिबंधित रहेंगे. ये ढाटौली चौराहा कस्बा गौंडा से डायवर्ट होकर अपने गंतव्य तक जाएं. खैरश्वर चौराहा से अलीगढ़–खैर–पलवल रोड होते हुए जाने वाले वाह भारीध्वाणिज्यिक वाहन खैरश्वर चौराहा से प्रतिबंधित रहेंगे. ये खैरश्वर चौराहा से डायवर्ट होकर गंतव्य तक जाएं.पुलिस प्रशासन की सुझाव और अपीपुलिस प्रशासन ने सभी भारी वाहन चालकों और मालिकों से अनुरोध किया है कि वे इन डायवर्जन नियमों का पालन करें और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें. यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें ताकि आम जनता को असुविधा न हो.

कोहरे में ट्रैक्टर ट्राली से भिड़ी कार, साढ़े तीन घंटे लगा जाम

मंगलवार सुबह घने कोहरे के बीच खैर–टैंटी गांव मार्ग पर ग्राम नगला बिरखू के निकट नहर के संकरे पुल पर ट्रैक्टर ट्रॉली पलट गई। इसी बीच पीछे से आई कार जाम में फंसे दूसरे ट्रैक्टर ट्रॉली से टकरा गई। इसके बाद नहर पुल के दोनों ओर सड़क पर करीब साढ़े तीन घंटे तक जाम में वाहन फंसे रहे।खैर–टैंटीगांव मार्ग पर ग्राम नगला बिरखू और हृदय नगरिया के बीच हाथरस ब्रांच नहर का पुल संकरा है। मंगलवार की सुबह करीब पांच बजे घने कोहरे के बीच धान लेकर जा रही ट्रैक्टर ट्राली अनियंत्रित होकर पुल के बीचों–बीच पलट गई। इससे थोड़ी देर में ही सड़क पर वाहनों की कतार लग गई।नगला बिरखू गांव के निवासी जाम खुलवाने की कोशिश कर रहे थे तभी कोहरे के कारण एक कार जाम में फंसी एक अन्य ट्रैक्टर ट्राली से टकरा गई। ग्रामीणों ने दौड़कर कार में मौजूद लोगों को बाहर निकाला। सभी सुरक्षित हैं।इसके बाद ग्रामीणों ने नहर पुल पर पलटी ट्रैक्टर ट्राली को किसी तरह वहां से हटवाया तब यातायात सुचारू हो सका। संवाद

विस उप चुनाव की पोलिंग पार्टियों की ट्रैफिक व्यवस्था में लगे नागरिक सुरक्षा कोर के जवान

अलीगढ़ । खैर विधानसभा में होने वाले उपचुनाव दिनांक 20.11 2024 को होना प्रस्तावित है जिसके लिए दिनांक 18. 11.2024 को धनीपुर मंडी पर पोलिंग पार्टियों की गाड़ियां एकत्रित हुई और दिनांक 19.11.2024 को धनीपुर मंडी अलीगढ़ से पोलिंग पार्टियां रवाना हुई जिसमें अपर जिलाधिकारी नगर के आदेशानुसार एवं उप नियंत्रक श्री मुनेश कुमार गुप्ता एवं वरिष्ठ सहायक उप नियंत्रक श्रीमती संगीता त्रिपाठी के निर्देशन में तथा प्रभारी निरीक्षक नागरिक सुरक्षा अलीगढ़ श्री सी.पी सिंह की उपस्थिति में सिविल डिफेंस के 15 जवानों की ड्यूटी दिनांक 18.11.2024 को समय शाम 6रू00 बजे से समाप्ति तक तथा 50 जवानों की ड्यूटी दिनांक 19.11.2024 को समय प्रातः 7:00 बजे से समाप्ति तक धनीपुर मंडी पर ट्रैफिक व्यवस्था की दृष्टि से लगाई गई । जिसमें समस्त जवानों ने अलीगढ़ की खैर विधानसभा में होने वाले उपचुनाव के लिए रवाना होने वाली पोलिंग पार्टियों को पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर ट्रैफिक व्यवस्था संभालते हुए पोलिंग पार्टियों को धनीपुर मंडी से रवाना कराया

एसएमबी इंटर कॉलेज में शिमला में संपन्न हुई 16 वीं ऑल इंडिया ओपन रोलर स्केटिंग चौंपियनशिप

अलीगढ़। स्केटिंग में मेडल प्राप्त खिलाड़ियों को आज अलीगढ़ स्केटिंग क्लास में उत्तर प्रदेश स्केटिंग खो–खो संघ के अध्यक्ष मुख्य अतिथि विवेक बंसल पूर्व विधायक द्वारा सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि विवेक बंसल ने कहा आपकी जीत से अन्य खिलाड़ी प्रेरणा लेते हैं। खेल को जीतना ही उद्देश्य नहीं होना चाहिए खेल के प्रति समर्पित भी रहना चाहिए और साथ में खेल का आनंद भी लेना चाहिए ।अलीगढ़ स्केटिंग क्लास के खिलाड़ी हमेशा प्रदेश स्तरीय या राष्ट्रीय स्तरीय सभी प्रतियोगिताओं में मेडल अवश्य प्राप्त करके लाते हैं और अलीगढ़ का नाम रोशन करते हैं। जिला स्केटिंग खो–खो संघ की सचिव डॉ नीलम पाराशर के सौजन्य से सभी खिलाड़ियों को प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया गया। सभी पदाधिकारी ने सचिव कोच प्रदीप रावत को सम्मानित किया ।कार्यक्रम का संचालन सचिव प्रदीप रावत ने किया। कार्यक्रम में ओलंपिक संघ के महासचिव मजहर उल कमर, कीड़ा भारती के महामंत्री डॉ शंभू दयाल रावत, अलीगढ़ स्केटिंग के अध्यक्ष डॉ कृष्ण मोहन शुक्ला, संयुक्त सचिव रिंकू दिक्षित, राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता राहुल भाटी, संयुक्त सचिव मेघराज सिंह, कोच बृजभूषण ,कोच वंशिका चौहान उप. स्थिति रही है। सम्मानित होने वाले खिलाड़ी कल्याणी, वंश भारद्वाज, आदित्य ठाकुर, कुनाल, योग कुमार, हिमांशु धनगर, हर्षित वर्मा, दीपक गौतम, सुधांशु वर्मा थे।

जरूरत के अनुसार डीएपी न मिलने पर किया हंगामा

गांव जिरौली धूमसिंह स्थित मलहपुर साधन सहकारी समिति में मंगलवार को डीएपी वितरण के दौरान कुछ किसानों ने हंगामा कर दिया। वह मजह दो बोरी डीएपी दिए जाने से नाराज थे और अपनी जरूरत के हिसाब से डीएपी की मांग कर रहे थे।किसानों का हंगामा देखकर समिति सचिव ने कोतवाली में खबर दी। इस पर पुलिस कर्मी पहुंचे। पुलिस कर्मियों ने किसानों को शांत कराते हुए लाइन लगवाई। इसके बाद डीएपी का वितरण शुरू हो सका।मंगलवार की सुबह करीब 11 बजे से समिति में डीएपी का वितरण शुरू हुआ था। समिति सचिव ने प्रति किसान एक अथवा दो बोरी के हिसाब से वितरण शुरू कराया। इस पर कुछ किसान अपनी अधिक जरूरत बताते हुए अधिक डीएपी की मांग करने लगे। इस पर हंगामा होने लगा। यह देखकर समिति सचिव दयाशंकर शर्मा ने पुलिस बुला ली।–बड़े काश्तकारों को अधिक डीएपी की जरूरत है। उन्हें दो बोरी के हिसाब से कब तक लाइन में लगना पड़ेगा। प्रशासन ऐसी व्यवस्था बनाए कि छोटे काश्तकारों के साथ बड़े रकबे में खेती करने वाले किसानों को भी जरूरत के हिसाब से डीएपी मिले। –राजवीर सिंह, नेता भाकियू।

राजस्व वसूली के दौरान विद्युत टीम से अभद्रता, हंगामा

हाथरस नगर के मोहल्ला मुकेरखाना में बकाया वसूलने पहुंची बिजली महकमे की टीम से अभद्रता हो गई। एक बकायेदार घर से डंडा निक.ालकर ले आया और उसकी पत्नी लाइनमैन को खंभे से धक्का मारने की धमकी देने लगी। मौके पर काफी हंगामा हुआ। काफी लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। अवर अभियंता ने कोतवाली में तहरीर भी दी है।अवर अभियंता अजय कुमार ने बताया कि मंगलवार को नगर के मोहल्ला मुकेरखाना में बकाया वसूली का अभियान चल रहा था। जब वह एक बकायेदार से तीन माह का बकाया वस.ूलने पहुंचे तो आरोप है कि उपभोक्ता ने बकाया जमा न करने की धमकी दी और घर के अंदर से डंडा लेकर आ गया।ला. इनमैन जब कनेक्शन काटने के लिए खंभे पर चढ़ने लगा तो बकायेदार की पत्नी लाइनमैन को धक्का मारकर गिरा देने की धमकी देने लगी। अवर अभियंता ने बताया कि उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी, लेकिन मौके पर पुलिस नहीं पहुंच सकी। इस कारण बकायेदार का कनेक्शन नहीं काटा जा सका है। उनके साथ लाइनमैन अरविंद और आशीष और ओमप्रकाश आदि थे।

मां नहीं निकल पा रही सदमे से बाहर, घर में मातम

गांव भोजपुर में डांस के दौरान दूल्हे शिवम की हार्टअटैक से मौत के बाद परिवार में माहौल गमगीन है। उसकी मां द्रोपदी देवी इस सदमे से बाहर नहीं आ पा रही है। मां अपने बेटे को बार–बार याद कर रो रही हैं और बेसुध हो रहीं हैं। रिश्तेदार व अन्य लोग सांत्वना देने पहुंच रहे हैं। इधर, गांव की गलियों व चौक चौराहों पर इस हृदयविदारक घटना की चर्चा है। हर किसी की जुबां पर यही बात है कि जिस घर में बहू आनी थी, वहां मातम फैला है।उल्लेखनीय है कि गांव भोजपुर में 17 नवंबर की देर रात भात की रस्म अदा होने के दौरान डांस करते हुए दूल्हे शिवम की तबीयत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई थी। परिजनों के अनुसार उसे हार्टअटैक आया था। अचानक हुई घटना से परिवार में को.हराम मच गया। शिवम (21 वर्ष) की बरात 18 नवंबर को आगरा के टेढ़ी बगिया जानी थी। इसके लिए दूरदराज से रिश्तेदार एकत्रित थे।जिस शिवम को सेहरे में देखने का सपना परिजनों, रिश्तेदारों और ग्रामीणों ने देखा था, उसको कफन में लपेट कर अंतिम संस्कार किया गया। मंगलवार को परिवार में गम का माहौल रहा। मां व छोटा भाई रचित और सूरज उसकी याद में बार–बार रो रहे थे। दोनों भाई अपनी मां को ढांढस देकर शांत करा रहे थे, लेकिन खुद एक कोने में जाकर रो रहे थे। गांव की गलियों और चौक चौराहों पर इसी हादसे को लेकर चर्चाएं थीं। इधर, आगरा से दुल्हन के परिजन भी गांव में पहुंचे थे।

पीरियड्स के दौरान मीठा खाने की क्रेविंग प्रेग्नेंसी के लक्षण तो नहीं

मिठाई और कार्बोहाइड्रेट की लालसा मासिक धर्म के दौरान आम है और वैज्ञानिक रूप से सिद्ध है कि यह हार्मोनल परिवर्तनों के कारण होता है. ओव्यूलेशन के बाद ल्यूटियल चरण के दौरान, एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन के उच्च स्तर मिठाई और कार्बोहाइड्रेट की लालसा पैदा कर सकते हैं. आपके पीरियड्स के दौरान मिठाई और कार्बोहाइड्रेट की लालसा पीएमएस का एक सामान्य हिस्सा है और यह जैविक और मना. वैज्ञानिक कारकों के संयोजन के कारण होता है.आपके मासिक धर्म चक्र के ल्यूटियल चरण के दौरान, एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन के उच्च स्तर मिठाई और कार्बोहाइड्रेट की लालसा को बढ़ा सकते हैं.जब आप मिठाई और स्टार्चयुक्त खाद्य पदार्थ खाते हैं तो आपका शरीर सेरोटोनिन छोड़ता है, जो आपके मूड को बढ़ा सकता है.मिठाई खाने से आपको पीएमएस के साथ आने वाली भावनाओं से निपटने में मदद मिल सकती है. हाइड्रेटेड रहेंहमेशा पानी पीते रहें. शरीर में पानी की कमी नहीं होनी चाहिए.

क्योंकि पानी की कमी के कारण हार्मोनल चेंजेज हो सकते हैं. अपना ध्यान भटकाएंव्यायाम करें, टहलें, गतिविधियाँ करें, दोस्तों और परिवार के साथ बातचीत करें, या गेम या पहेलियां खेलें.प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट या प्रति सप्ताह 150 मिनट शारीरिक गति विधि करने का प्रयास करें.आइसक्रीम कोन के बजाय, आप दही के कटोरे में प्राकृतिक रूप से मीठी स्ट्रॉबेरी मिला कर खा सकते हैं.डार्क चॉकलेट आपकी मीठा खाने की इच्छा को संतुष्ट कर सकती है और इसमें पोटेशियम की मात्रा अधिक होती है, जो ऐंठन में मदद कर सकती है.यदि आप किसी भी लक्षण का अनुभव कर रहे हैं और इससे निपटने का सबसे अच्छा तरीका जानना चाहते हैं, तो आपको अपने डॉक्टर से बात करनी चाहिए. ऐसे प्रमाण मौजूद हैं जो बताते हैं कि जिन लोगों में ल्यूटियल चरण (मासिक धर्म चक्र के दौरान अण्डोत्सर्ग के बाद) के दौरान कुछ हार्मोनों का स्तर अधिक होता है, उनमें मिठाई खाने की अधिक संभावना होती है.

आयुष्मान कार्ड बनवाने का सुनहरा मौका, घर बैठे होगा काम, 5 लाख तक स्वास्थ्य सेवाओं का फ्री उठा सकेंगे लाभ

रोहतास. आयुष्मान भारत योजना के तहत अब गांव-गांव में आशा कर्मी आयुष्मान कार्ड बनवाएंगी. शनिवार को सदर अस्पताल में हुई समीक्षा बैठक में सिविल सर्जन डॉ. मणिराज रंजन ने बताया कि आशा कर्मी अपने-अपने गांवों में पात्र लाभार्थियों के लिए आभा आईडी और आयुष्मान कार्ड बनाने का कार्य शुरू करेंगे. इस कार्य के लिए सामुदायिक उत्प्रेरक और अनुश्रवण सह मूल्यांकन सहायक को प्रशिक्षित किया गया है. इससे योजना का लाभ सीधे तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक पहुंचेगा और आयुष्मान कार्ड के जरिए वे स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे. सिविल सर्जन ने स्वास्थ्य संस्थानों को निर्देश दिए कि वे अपने डाटा को सुधारते हुए त्रुटियों को जल्द ठीक करें ताकि योजना की प्रक्रिया में कोई रुकावट न आए. डॉ. मणिराज रंजन ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा आयुष्मान कार्ड से लोगों को जोड़ने की प्रक्रिया तेजी से की जा रही है. उन्होंने यह भी कहा कि चूंकि आशा कर्मी समाज के अंतिम स्तर तक स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करती हैं, उन्हें अधिक जानकारी होती है और वे उन लोगों के बारे में भी जागरूक होती हैं जो सरकारी योजनाओं से वंचित रहते हैं.अधिक लोग स्वास्थ्य सेवाओं का उठा सकेंगे लाभआशा कर्मियों द्वारा एकत्रित किए गए डेटा को निर्धारित केंद्र में भेजा जाएगा, जिससे आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया तेजी से पूरी हो सकेगी. इसके अलावा, आशा कर्मी गांवों में जाकर उन लोगों का डेटा इकट्ठा करेंगी जो अब तक इस योजना से वंचित थे. उनका काम यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी पात्र लाभार्थियों का सही तरीके से पंजीकरण किया जाए ताकि कोई भी लाभार्थी योजना से बाहर न रहे. यह कदम आयुष्मान भारत योजना को और अधिक प्रभावी बना देगा, जिससे अधिक से अधिक लोग स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे.बुजुर्गों के लिए फायदेमंद आशा कर्मी इस काम को अच्छे से करने पर सुनिश्चित करेंगी कि गांव-गांव के लोग जल्द ही आयुष्मान कार्ड प्राप्त कर सकें. इस कदम से बुजुर्गों सहित अन्य ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सकेगा, और वे अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए सरकारी अस्पतालों का सहारा ले सकेंगे. आयुष्मान कार्ड के माध्यम से, गरीब और जरूरतमंद लोग महंगे इलाज से बच सकेंगे, और उन्हें मुफ्त में स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी. इस पहल से आयुष्मान भारत योजना का दायरा बढ़ेगा और अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा पाएंगे. यह योजना सरकार की ओर से स्वास्थ्य क्षेत्र में किया गया एक बड़ा कदम है, जो खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब और बुजुर्गों के लिए फायदेमंद साबित होगा.

बुधवार के दिन दूर्वा का ये विशेष उपाय बच्चे को बनाता है होशियार

बुधवार का दिन सुखकर्ता और दुखहर्ता भगवान गणेश को समर्पित है. इस दिन विधि-विधान से लोग भगवान गणेश की पूजा करते हैं. भगवान गणेश का बुद्धि का देवता कहा गया है. इनकी पूजा से न सिर्फ दुख और संकट दूर होते हैं, बल्कि बुद्धि भी तीव्र होती है.यही कारण है कि पढ़ने-लिखने वाले विद्यार्थियों को भी भगवान गणेश की पूजा जरूर करनी चाहिए. इससे गणेश जी से विद्या का आशीर्वाद मिलता है. अगर आपके बच्चे को भी पढ़ाई में मन नहीं लगता या एकाग्रता में कमी है तो इसके लिए आप बुधवार के दिन दूर्वा से जुड़े उपाय कर सकते हैं.दुर्वा भगवान गणेश को बहुत प्रिय है और इसके बिना उनकी पूजा अधूरी मानी जाती है. लेकिन यह दूर्वा आपके बच्चे की बुद्धि बढ़ाने में भी बहुत काम आएगी. इसलिए बुधवार के दिन इन उपायों को जरूर करें.ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास के अनुसार, बुधवार के दिन अपने बच्चे से भगवान गणेश की पूजा कराएं. पूजा के दौरान दूर्वा की 11 गांठ भगवान गणेश को श्रद्धापूर्वक अर्पित करें. इस उपाय को करने से बच्चे की रुचि पढ़ाई में बढ़ती है और बच्चे का मन पढ़ाई से भटकता नहीं है.कुछ बच्चे पढ़ाई में बहुत ज्यादा ही कमजोर होते हैं, जिस कारण माता-पिता भी परेशान रहते हैं. ऐसे बुधवार के दिन बच्चे से भगवान गणेश की पूजा कराएं. भगवान को सिंदूर और दूर्वा अर्पित करें. फिर मोदक (डवकां) या लड्डू का भोग लगाएं. इस उपाय से आपको जल्द ही शुभ परिणाम देखने को मिलेंगे. त्रयीमयायाखिलबुद्धिदात्रे बुद्धिप्रदीपाय सुराधिपाय। लनित्याय सत्याय च नित्यबुद्धि नित्यं निरीहाय ।। इस मंत्र का जाप अगर बच्चे 11 बार करें तो इससे भी बुद्धि, ज्ञान और विवेक में वृद्धि होती है.

नोएडा में खतरनाक हुआ प्रदूषण, मां के गर्भ में ही छूट जा रहा है बच्चों का मल

नोएडा प्रदूषण के बढ़ते स्तर ने सभी के जीवन को प्रभावित किया है. गर्भवती महिलाओं और उनके गर्भ में पल रहे बच्चों पर भी इसका गंभीर असर पड़ रहा है. नोएडा के सीएचसी भंगेल में तैनात गायनी डॉक्टर मीरा पाठक की मानें तो प्रदूषण में मौजूद जहरीले रसायन गर्भवती महिलाओं की सेहत और भ्रूण के विकास को प्रभावित कर सकते हैं. इसके अलावा प्रदूषण से जुड़ी समस्याओं के कारण गर्भ में पल रहे बच्चे को गंभीर समस्या जैसे गर्भपात, असामान्य विकास, प्रीमेच्योर डिलीवरी और ऑक्सीजन की कमी के कारण मेकोनियम वाली समस्या पैदा हो सकती है.गर्भवती महिलाओं पर प्रदूषण के हो सकते हैं ये असरडॉक्टर मीरा पाठक ने लोकल18 से बात करते हुए बताया कि प्रदूषण में मौजूद सूक्ष्म कण (पार्टिकुलेट मैटर) और जहरीले रसायन सांस के जरिए मां के रक्त और प्लेसेंटा तक पहुंचते हैं. यह भ्रूण के विकास को बाधित करते हैं और हार्मोनल असंतुलन का कारण बन सकते हैं. उन्होंने बताया कि पहली तिमाही में प्रदूषण का प्रभाव गर्भपात का खतरा बढ़ा सकता है. दूसरी तिमाही में महिलाओं को ब्लीडिंग की समस्या हो सकती है. और तीसरी तिमाही के समय भ्रूण के विकास में बाधा, प्रीमेच्योर डिलीवरी और बच्चे के मस्तिष्क के विकास में कमी देखी जा सकती है.प्रदूषण के कारण हो सकता है मेकोनियमगायनी डॉक्टर ने बताया ऑक्सीजन की कमी के कारण भ्रूण में "मेकोनियम" का निर्माण हो सकता है, जिससे जच्चा और बच्चा दोनों को खतरा हो सकता है. मेकोनियम में शिशु गर्भ में ही मल छोड़ देता है जिसके कारण मां और बच्चे दोनों को समस्या पैदा होती है. भंगेल सीएचसी पर इस तरह के दो केस इस साल सामने आ चुके हैं. सिजेरियन से प्रसव होने के बाद दोनों नवजातों में ऑक्सीजन की कमी (हाईपॉक्सिया) हो गई और गर्भस्थ ने मां के गर्भ में मल छोड़ दिया था. जन्म के बाद तुरंत ऑक्सीजन देनी पड़ी. पिछले साल भी दो ऐसे केस सामने आए थे. नोएडा एनसीआर में जब-जब प्रदूषण का स्तर बढ़ता है तब ऐसे केस सामने आते हैं.कैसे करें प्रदूषण से बचाव डॉ. मीरा पाठक ने बताया कि घर के अंदर ही रहें. जरूरत पड़ने पर ही बाहर जाएं और AQI (एयर क्वालिटी इंडेक्स) की अपने मोबाइल पर जांच करें. ऑरेंज, रेड या पर्पल डॉट दिखाई देने पर घर से बाहर न निकलें. अगर संभव हो तो घर के अंदर एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करें. अगर संभव नहीं है तो घर में मनी प्लांट, स्पाइडर प्लांट और स्नेक प्लांट जैसे पौधे लगाएं जो वायु को शुद्ध करने में मदद करते हैं.आपको बता दें कि बीते दिनों नोएडा व एनसीआर में मुताबिक प्रदूषण का स्तर 700 के पार पहुंच गया था. फिलहाल की बात करें तो ये 300 से कम है लेकिन गर्भवती महिलाओं के लिए AQI स्तर 100 से ऊपर ही खतरनाक माना जाता है.गर्भवती महिलाएं क्या खाएं संतुलित आहार को अपनाएं. अपने आहार में एंटीऑक्सीडेंट युक्त खाद्य पदार्थ जैसे हल्दी, टमाटर, नींबू, दूध, दही, पनीर, गुड़ और रंगीन सब्जियां शामिल करें. किसी कारण बहुत जरूरी काम से बाहर जाते समय प्रदूषण से बचाव के लिए एन 95 या उससे अच्छी क्वालिटी के मास्क का इस्तेमाल करें. डॉक्टर पाठक ने बताया कि प्रदूषण का असर इस बात पर भी निर्भर करता है कि गर्भावस्था का कौन सा महीना चल रहा है. उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं को अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना चाहिए और डॉक्टर की सलाह के बिना कोई कदम नहीं उठाना चाहिए.

घर के मुकाबले बाहर कितना ज्यादा होता है पॉल्यूशन, जान लें कौन सी जगह सबसे ज्यादा सेफ

प्रदूषण के संपर्क में आने के समय के कारण इनडोर वायु की गुणवत्ता आउटडोर वायु की गुणवत्ता से भी अधिक महत्वपूर्ण हो सकती है. EPA के अनुसार इनडोर वायु की गुणवत्ता आउटडोर वायु की गुणवत्ता से दो से पांच गुना खराब हो सकती है. खासकर हवा में मौजूद रसायनों के मामले में. घर के बाहर पॉल्यूशन सबसे ज्यादा होता है. जान लें कौन सी जगह सबसे सेफ. घर के बाहर की तुलना में अंदर प्रदूषण अक्सर ज्यादा खराब होता है.यू.एस. पर्यावरण संरक्षण एजेंसी (EPA) के अनुसार, घर के अंदर वायु प्रदूषण, घर के बाहर वायु प्रदूषण से 100 गुना ज्यादा हो सकता है. घर के अंदर वायु प्रदूषण, घर के बाहर वायु प्रदूषण की तुलना में आपके स्वास्थ्य पर ज्यादा प्रभाव डाल सकता है. खराब वायु गुणवत्ता सभी को प्रभावित कर सकती है. लेकिन खास तौर पर फेफड़ों की बीमारी और अन्य अंतर्निहित स्वास्थ्य स्थितियों वाले लोगों को.घर के अंदर और बाहर वायु प्रदूषण के स्रोत क्या हैं?संगठित कारखानों और पूरे उद्योगों की गतिविधियां बाहरी वायु गुणवत्ता को प्रभावित करती हैं. इसलिए इसे घर के अंदर की हवा की तुलना में नियंत्रित करना बहुत आसान है. हालांकि, घर के अंदर की हवा उस व्यक्ति या लोगों की अनूठी गतिविधियों पर निर्भर करती है जो घर के अंदर के वातावरण में रहते हैं. इसके अलावा घर के अंदर प्रदूषकों की छोटी सांद्रता स्वास्थ्य संबंधी बड़ी चिंताओं को जन्म दे सकती है क्योंकि वे अगली हवा के साथ उड़ नहीं जाते हैं. पेड़ के आधार पर उड़ने वाले मोल्ड बीजाणु क्रॉलस्पेस के अंदर बनने वाले समान बीजाणुओं की तरह केंद्रित नहीं होते हैं.आम घर के अंदर वायु प्रदूषक और उनके स्रोत घर के अंदर की हवा की संरचना में कई कारक योगदान करते हैं, जैसे कि घर में कौन से कृत्रिम उत्पाद लाए जाते हैं, खाना पकाने की आदतें, दरवाजे और खिड़कियां खुली रखने की प्राथमिकताएं.आम तौर पर प्रकाश के लिए मोमबत्तियां या गर्मी के लिए लकड़ी जैसे ईंधन के जलने से महीन कण घर के अंदर आते हैं. ये कण खाना पकाने से घर की सतहों पर जमने वाली धूल से या यहां तक कि आम शौक से भी पैदा हो सकते हैं जिसमें सैंडपेपर का उपयोग शामिल हो सकता है.किसी घर के अंदर के वातावरण में जहरीली गैसें बन सकती हैं. जबकि औद्योगिक दहन के कच्चे उत्पाद घर के अंदर बहुत कम होते हैं, फिर भी हीटिंग से कार्बन मोनोऑक्साइड का खतरा बना रहता है. प्राकृतिक रूप से होने वाली रेडॉन गैस घर के नीचे की जमीन से ऊपर उठकर घर में आ सकती है. हालांकि आमतौर पर बाहर की तुलना में घर के अंदर कम स्तर पर पाया जाता है. ओजोन बाहर से घर में घुसपैठ कर सकता है या ओजोन-जनित वायु शोधक, वाशिंग मशीन और सब्जी वॉशर में जल उपचार प्रणाली, और यूवी प्रकाश का उपयोग करने वाले चेहरे के स्टीमर द्वारा उत्पादित किया जा सकता है.

साल 2024 का आखिरी महीना किन राशियों के लिए लेकर आएगा गुड लक

साल के आखिरी माह की शुरुआत जल्द ही होने वाली है. दिसंबर का माह इन 5 राशियों के लिए लकी साबित हो सकता है. जानते हैं दिसंबर 2024 की लकी राशियांजल्द ही दिसंबर का महीना शुरु होने वाला है. दिसंबर का महीना इन राशियों के जीवन में लेकर आएगा और खुशियां और इस साल को बना सकता है शानदार.मेष राशि वालों के लिए साल 2024 का आखिरी महीना यानि दिसंबर अच्छा रहेगा. इस महीने में मेष राशि वालों के हाथ सफलता लगेगी. साथ ही लंबे समय से अटके हुए काम साल के अंत में पूरे होते नजर आएंगे. वहीं आपके मान-सम्मान में भी वृद्धि हा. सिंह राशि वालों के लिए साल 2024 का दिसंबर माह बढ़िया रहेगा. नौकरी करते हैं तो इस माह आपका लंबे समय से रुका प्रमोशन हो सकता है. आपके काम की लोग सराहना करेंगे. परिवार में किसी नए सदस्य की एंट्री हो सकती है. कन्या राशि वालों के लिए साल 2024 का आखिरी माह अच्छा रहेगा. इस मंथ आपको शुभ समाचार मिल सकता है. आपकी मेहनत रंग लाएगी. नए बिजनेस में आप तरक्की की राह पर आगे बढ़ेंगे. वैवाहिक जीवन में खुशियां आएगी.तुला राशि वालों के लिए दिसंबर का महीना चुनौती के साथ खुशियां भी लेकर आएगा. इस महीने आपको मेहनत के साथ-साथ सफलता भी हाथ लगेगी. जिस काम का आप पूरे साल इंतजार करते रहे वो आपको इस दिसंबर के महीने में मिल सकता है.मीन राशि वालों के लिए दिसंबर का महीना मनचाही सफलता लेकर आएगा. इस माह में आपके जीवन में सुख-समृद्धि का वास होगा. लक्ष्मी जी की कृपा आप पर बनी रहेगी. आपको किसी चीज की कमी नहीं होगी. इस माह आप परिवार के साथ विदेश जा सकते हैं. साथ ही वैवाहिक जीवन में खुशियां आएगी.

सर्दी-खांसी और गले के इंफेक्शन से परेशान

ठंड का मौसम आते ही लोग सर्दी-जुकाम, खांसी और गले में खराश जैसी समस्याओं से जूझने लगते हैं। इस मौसम में यह समस्या इतनी बढ़ जाती है कि लोग खांसी के कारण बीमार हो जाते है.। इसके कारण कई बार लोगों को सांस लेने में भी दिक्कत होती है. ऐसे में अगर आप भी इन मौसमी समस्याओं से गुजर रहे हैं तो शारदा हॉस्पिटल में सीनियर कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन डॉ. श्रेय श्रीवास्तव बता रहे हैं कि सर्दी के मौसम में गले में इंफेक्शन क्यों होता है और इससे बचाव के लिए आपको क्या करना चाहिए.इससे गले में संक्रमण होता हैरू सर्दियों का मौसम शुरू होते ही तापमान में गिरावट शुरू हो जाती है, जिससे गले में संक्रमण, सर्दी-जुकाम और खांसी होना आम बात हो जाती है. सर्दियों के मौसम में चलने वाली प्रदूषित हवा हमारे श्वसन तंत्र पर बुरा असर डालती है. जिससे गले में संक्रमण तेजी से फैलता है. शुष्क और ठंडी हवा गले की परत को परेशान कर सकती है, जिससे इसका प्राकृतिक रक्षा तंत्र कमजोर हो जाता है. साथ ही, सर्दियों के दौरान लोग बंद जगहों पर ज्यादा समय बिताते हैं, जिससे हवा में वायरस फैलने का खतरा बढ़ जाता हैतापमान गिरने पर कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग सर्दी-जुकाम या इन्फ्लूएंजा जैसे मौसमी वायरस के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं. साथ ही, शुष्क और ठंडी हवा में कम नमी नाक के मार्ग को सूखा देती है.जिससे बैक्टीरिया के प्रवेश करना आसान हो जाता है. पहले से ही सांस की समस्या या कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों को गले के संक्रमण और उससे जुड़े लक्षणों का खतरा ज्यादा होता है.गले के संक्रमण या सर्दी-जुकाम से बचने के लिए सबसे जरूरी है कि आप अपने आस-पास स्वच्छता बनाए रखें. जब भी बाहर जाएं, गर्म कपड़े पहनें. घर पर भी गर्म कपड़े पहनें.नियमित रूप से हाथ धोने से बैक्टीरिया का प्रसार कम होता है. अपने गले को नम और सुरक्षित रखने के लिए खुद को हाइड्रेटेड रखें. गरारे करने के लिए गुनगुने नमक वाले पानी का इस्तेमाल करेंअपने आहार में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर संतुलित आहार रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है. भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनना और अचानक ठंडी हवा के संपर्क में आने से बचना भी मददगार हो सकता है.

आवश्यकता है
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला ब्यूरो चीफमंडल ब्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है।
सम्पर्क करें -
अमित कुमार वर्मा -संम्पादक
मो:-8218049162,8273402499

जननायक सम्राट
हिन्दी साप्ताहिक
मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर . कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित
सम्पादक-अमित कुमार वर्मा
सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायलय ही होगा